छोटी मेमसाब की चूत सुजा दी

“मालकिन की बेटी छोटी मेमसाब, हम साथ साथ खेल भी लेते। एक दिन वो कॉलेज जाते वक्त बोली- मेरा मन नहीं है कॉलेज जाने का, क्यूँ ना कुछ वक्त तुम्हारे साथ गुज़ारूँ ! ...”

Story By: राज बिहारी (rajcallboy)

Posted: Tuesday, June 23rd, 2015
Categories: नौकर-नौकरानी
Online version: छोटी मेमसाब की चूत सुजा दी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

छोटी मेमसाब की चूत सुजा दी

यह कहानी एक साल पुरानी है जिसमें मैंने अपनी ही मालकिन की बेटी को चोदा।
दोस्तो, मैं एक बिहार के छोटे गाँव में पला – बढ़ा हूँ और मेरे पैदा होने कुछ महीनों बाद ही मेरा बाप भी चल बसा।
मेरा नाम राज पड़ा, मैं अपनी माँ का अकेला बेटा था और मेरी तीन बहनें भी थी।
हम बच्चे धीरे – धीरे माँ के ऊपर अब बोझ बनने लगे जिसके बारे में सोच मेरा दिमाग घूम जाया करता था।

तभी एक दिन मेरी मुलाकात एक भईया से हुई जिन्होंने मुझे मुंबई के बड़े से मकान में नौकर का काम करने के लिए प्रस्ताव दिया।
मैं जैसे – तैसे अपनी माँ और बहनों को राम भरोसे गाँव में छोड़ पैसे कमाने शहर आ गया।

मेरी मालकिन की एक ही बेटी थी जिसका नाम पूजा था उसे मैं छोटी मेमसाब कहता था और जब हमें समय मिलता तो हम खेल भी लिया करते।
अब मुझे उनके यहाँ काम करते हुए 6 साल हो चुके थे और मैं 19 साल का हो चुका था।

मैं समय – समय पर अपने गाँव में माँ के पास रुपये भी भेजा करता था, सब कुछ ठीक ठाक चल रहा था पर अब मेरी जवानी की दस्तक ने मेरी आने वाली पूरी जिंदगी ही बदल दी।

मैंने कभी लड़की के स्पर्श को महसूस नहीं किया था हालांकि चोदने का सारा ज्ञान मेरे दिलो-दिमाग में बसा हुआ था।

एक दिन मेरी मालकिन एक महीने के लिए अपने किसी काम से बाहर गई हुई थी और इस बीच अब घर में मैं और उनकी बेटी पूजा ही अकेले रह गए थे।

छोटी मेमसाब भी काफी बड़ी हो चुकी थी और उम्र में मुझसे सयानी भी।

एक दिन नहाने के बाद छोटी मेमसाब पूजा का कॉलेज जाने वक्त हुआ तो उसने मुझसे कहा– राज.. आज मेरा मन नहीं है.. कॉलेज जाने का..!!
मैं– क्यूँ छोटी मेमसाब.. चली जाइये..!!
पूजा– नहीं बस सोच रही थी.. क्यूँ ना आज कुछ वक्त तुम्हारे साथ गुज़ार लूँ..!!

जिस पर मैंने बस चुप्पी मार ली और शान्ति से अपने कमरे में चला गया। मैं समझ चुका था कि छोटी मेमसाब के दिमाग में अब कुछ
और ही चल रहा है पर मेरे अंदर शुरुआत करने की ज़रा सी भी हिम्मत ना थी।

इतने में छोटी मेमसाब मेरे कमरे में आई, उसने केवल नीचे तौलिया पहने हुआ था और ऊपर हल्का सा कोई कपड़ा औढ़ा हुआ था।

मैं पूजा को देख पगला गया और शर्म के मारे अपनी मुंडी घुमा ली।
इतने में उसने मेरे चेहरे को अपनी तरफ घुमाते हुए अपने ऊपर वाले कपड़े को उठाते हुए कहा– मैं जानती हूँ.. तुम मुझे चुपके चुपके देखते हो.. तो लो आज कुआँ खुद चलकर प्यासे के पास आया है।

मैं उस वक्त कहता भी तो क्या कहता, मेरे सामने जो दो मोटे मोटे चाँद से भी गोरे चूचे जो लटके हुए थे।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

मैं सीधा खड़ा हुआ और पूजा के होठों को चूसते हुए उसके दोनों चूचों को भींचने लगा। कुछ देर बाद मैं थोड़ा नीचे की ओर आया मुंह में भर भर के दोनों को चूसने लगा। उसके चूचे एकदम सख्त हो गए थे जिन्हें मैं लगातार थप्पड़ मारते हुए ढीले कर रहा था।

अब धीरे–धीरे मेरा हाथ उसके तौलिये तक पहुंचा और मैंने आखिरकार उसके तौलिए को खोलते हुए देखा कि उसने अंदर पैंटी भी नहीं पहनी हुई थी।
अब मेरे सामने छोटी मेमसाब बिल्कुल जन्मजात नंगी खड़ी थी जिसे मैंने अपने बिसतर पर लिटाया और उसकी चूत को अपनी जीभ से सहलाने लगा, जिस पर उत्सुक होकर पूजा अब उँगलियों अपनी चूत के ऊपर रगड़ते हुए चिल्लाने लगी- चोद दो राज मुझे.. बुझा दो इस रांड की प्यास।

पूजा अब मस्त वाली सिसकारियाँ भर रही थी।
तभी मैंने अपनी अंगुलियाँ उसकी चूत में अंदर बाहर करना शुरू कर दिया। मेरी दस मिनट की मेहनत से पूजा की पूरी की पूरी चूत
गीली हो चुकी थी।

पूजा ने अपनी जाँघों की पंखुड़ियों को खोल दिया और अचनक ना जाने मेरे लंड में कहाँ से इतनी ताकत आ गई और वो एकदम तन गया और अब मेरा लंड सही उसकी चूत के मुहाने के सामने टिका हुआ था।
फिर क्या था, मैंने आखिरी बार पूजा की चूचियों की चुसकी लेते हुए बस अपने चूतड़ों के ज़ोरदार के झटके से अपने लंड को उसकी चूत की गहराई में गुम कर दिया और उसकी जोर की चीख निकल पड़ी।

अब मेरे मुंह से भी गाली निकल पड़ी– ले... माँ की लौड़ी, आज से तू मेरी कुतिया है।
अब मैं अन्धाधुंध बस उसकी चूत में अपने लंड की गोलियाँ ही बरसाता चला गया। वो मटक मटक मेरे लंड को बड़े ही चाव से लेती रही और अब तो उसकी छींकें भी मज़े में परिवर्तित हो चुकी थी।

मैंने अपने लंड का मुठ भी अपनी पूजा रांड मेमसाब के ऊपर ही डाल दिया और लगभग एक महीने तक मैं उसे 50 से ज्यादा बार चोद चुका था।

मैंने एक महीने में उसकी चूत इतनी ठोकी – बजाई कि उसके चूतड़ों का नाप 28 से 32 हो गया जिससे मेरी मालकिन के आते ही हमारी रंगरलियों के बारे में पता चल गया और उन्होंने अपनी इज्ज़त बचाने के लिए अपनी बेटी पूजा की शादी मेरे साथ करवा दी।

अब मैं इतना अमीर हो चुका हूँ कि मैंने अपनी तीनों बहनों की शादी करा दी और अपनी माँ के साथ सुखद जीवन बिता रहा हूँ।
दोस्तो, आज हम पति पत्नी हैं पर चुदाई के मामले में पूजा आज भी मेरी कुतिया ही है।
callboy1769@gmail.com